जयपुर लाइव

जयपुरिया अस्पताल में चिकित्सकों और कर्मचारियों के लिए बनेंगे नए आवास

मरीजों और परिजनों के लिए होगा आश्रय स्थल का विस्तार

महानगर संवाददाता

जयपुर। जयपुरिया अस्पताल में इन दिनों लगातार मरीजों और परिजनों की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस क्रम में जयपुरिया अस्पताल में आने वाले मरीजों के परिजनों के लिए आश्रय स्थल का विस्तार किया जाएगा। ताकि इलाज के लिए आने वाले मरीजों और परिजनों को और अधिक सुविधाएं मिल सकें। अस्पताल प्रशासन ने इसके लिए एक प्रस्ताव भी बनाकर सरकार को भेज दिया है। जिसकी स्वीकृति भी मिल गई है। अस्पताल प्रशासन की मानें तो जयपुरिया अस्पताल के बाहर मरीजों के परिजनों के आश्रय स्थल का निर्माण किया जाएगा। जिससे कि मरीज के इलाज के दौरान परिजन आश्रय स्थल में आसानी से रूक सकें। साथ ही आश्रय स्थल में अत्याधुनिक सुविधाओं को विकसित किया जाएगा जिससे मरीज के परिजनों को आश्रय स्थल में रुकने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो।

जयपुरिया अस्पताल के चिकित्सालय प्रांगण में ही चिकित्सकों के लिए नए आवास का निर्माण किया जाएगा। ताकि अस्पताल में ड्यूटी करने वाले चिकित्सक आसानी से इन आवासों में रह सकें। इन निर्माण कार्यों के लिए सरकार ने स्वीकृति दे दी है। साथ ही अस्पताल में नर्सिंग व अन्य कर्मचारियों के लिए भी आवास बनाए जाएंगे। ताकि वे भी इस सुविधा का लाभ आसानी से ले सकें। चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ ने बताया कि जयपुरिया अस्पताल में मरीजों की सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इस क्रम में जयपुरिया अस्पताल में ही जच्चा-बच्चा वार्ड भी बनाया जाएगा ताकि जयपुरिया अस्पताल में आने वाली प्रसूताओं को सांगानेरी महिला चिकित्सालय या फिर जनाना अस्पताल में इलाज के लिए नहीं जाना पड़े। इसके लिए भी अस्पताल में निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसे जल्दी पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही अस्पताल में मरीजों और परिजनों के लिए अन्य सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। जयपुरिया अस्पताल के विकास में बजट की किसी प्रकार कमी नहीं आने दी जाएगी।

मरीजों-परिजनों के रुकने के लिए जगह नहीं

जयपुरिया अस्पताल सूत्रों की मानें तो अभी जयपुरिया अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए जो आश्रय स्थल हैं वे व्यवस्थित नहीं हैं। साथ ही उनमें परिजनों के रुकने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में इलाज के दौरान के मरीज के परिजनों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कई बार पुराने आश्रय स्थल की व्यवस्थाएं देखकर मरीजों के परिजन अस्पताल के बाहर निजी धर्मशाला या होटल में ठहरते हैं। ऐसे में परिजनों की जेब भी ढीली होती है। गरीब मरीजों के परिजनों के लिए अस्पताल के बाहर रुकना उनके बूते के बाहर होता है। ऐसे में वे जयपुरिया अस्पताल के आश्रय स्थल में मजबूरी में रुकते हैं। इन सब समस्याओं को देखते हुए जयपुरिया अस्पताल के आश्रय स्थल में ही रिनोवेट कर अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ मरीजों और परिजनों के लिए विकसित किया जाएगा।

प्रदेश में खौफऔर आतंक का माहौल : पायलट

महानगर संवाददाता

जयपुर। भरतपुर में कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष की हत्या के मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया है। पीसीसी में प्रेस वार्ता के दौरान पायलट ने आरोप लगाया कि भरतपुर में यह 16वीं हत्या है और पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। पायलट ने कहा कि राजस्थान में लगातार कानून व्यवस्था चरमरा रही है। प्रदेश में खौफ और आतंक का माहौल बना हुआ है अत: मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को आगे आकर कुछ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। पायलट ने आरोप लगाया कि प्रदेश में चाहे किसान हों या रोडवेज कर्मचारी या दूसरे कर्मचारी सभी आंदोलन की राह पर हैं। उन्होंने कहा कि वसुंधरा सरकार को किसानों का कर्ज माफ करना होगा लेकिन वसुंधरा सरकार इसके लिए चुनाव का वक्त देख रही है। पायलट ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार सरकारी संपत्ति को औने पौने दामों पर बेचकर निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। चाहे शिक्षा का मामला हो या चिकित्सा व्यवस्था का सभी जगह सरकार निजीकरण पर उतारू है।

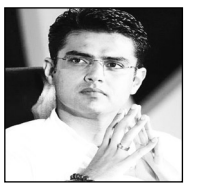

बारिश से उमस और गर्मी से मिली राहत

महानगर संवाददाता

जयपुर। लंबे समय से मानसून की बेरुखी झेल रहे प्रदेशवासियों के लिए एक बार फिर से राहत मिली। मंगलवार को राजधानी जयपुर समेत कई इलाकों में जमकर बारिश हुई। तेज बारिश से अचानक तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश के चलते मौसम खुशनुमा हो गया और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। मूसलाधार बारिश के चलते सड़कों पर लबालब पानी भर गया। तेज बारिश से कई इलाकों में लोगों को काफी परेशानियां भी हुईं। इस दौरान सड़कों पर पानी भर जाने के चलते वाहन चालकों को मुसीबतों का सामना करना पड़ा। दोपहर के समय कुछ समय बारिश होने के बाद आसमान फिर से साफ हो गया और चटक धूप निकल आई लेकिन मंगलवार को दिनभर धूप का छांव का खेल चलता रहा। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस सप्ताह उत्तर पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। मंगलवार को दिन में अधिकतम तापमान 34 डिग्री रिकार्ड किया गया। इसमें राजधानी जयपुर समेत भरतपुर, करौली, अलवर,सीकर और अजमेर शामिल है। जम्मू कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ बनने से उत्तर भारत समेत राजस्थान के उत्तर पूर्वी हिस्सों में अगले 24 घंटों में बारिश होने की संभावना जताई जा रही है।

एसएमएस मेडिकल कालेज में मंगलवार को रेजीडेंट डॉक्टरों ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में चिकित्सा मंत्री कालीचरण सराफ ने शिरकत की। इस अवसर पर एसएमएस मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. यूएस अग्रवाल सहित अन्य चिकित्सकगण भी मौजूद थे। फोटो : महानगर

एसएमएस अस्पताल में टेलीफोन सेवाएं पिछले 24 घंटों से बंद

महानगर संवाददाता

जयपुर। सूबे के सबसे बड़े एसएमएस अस्पताल की टेलीफोन सेवाएं पिछले 24 घंटे से बंद हैं। ये कोई तकनीकी दिक्कत नहीं बल्कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही का परिणाम है। दरअसल, अस्पताल प्रशासन ने पिछले दो माह से टेलीफोन का बिल नहीं चुकाया है। ऐसे में बीएसएनएल ने अस्पताल से जुड़ी सभी 30 लाइनों में आउटगोइंग सेवा बंद कर दी। ऐसे में पिछले दो दिन से चिकित्सक से लेकर नर्सिंग स्टॉफ व अन्य कर्मचारियों के लिए परेशानी खड़ी हो गई है। एसएमएस अस्पताल में वैसे ही नेटवर्क की दिक्कतें बनी रहती है। ऐसे में लैंडलाइन की आउटगोइंग बंद होने से न तो वे किसी को सूचना फोन के माध्यम से दे पा रहे हैं और न ही उन्हें कोई सूचना मिल पा रही है। आश्चर्यजनक है कि पीबीएक्स सेवा का जिम्मा संभाल रहे नोड्ल अधिकारी ने इस मामले से अधीक्षक को बेखबर रखा।

महिला के लिवर से निकाला 1.2 फीट लंबा ट्यूमर

दुनिया के सबसे बड़े ट्यूमरों में से एक, नारायणा हॉस्पीटल के डॉक्टरों की सफलता

महानगर संवाददाता

जयपुर। नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पीटल, जयपुर के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सीकर की एक 45 वर्षीय महिला के लिवर से दुनिया के सबसे बड़े आकार का ट्यूमर निकालने में सफलता प्राप्त की है। यह ट्यूमर 1.2 फीट लंबा और आधा फीट चौड़ा था और इसने महिला का 75 फीसदी से ज्यादा लिवर कवर कर लिया था। महिला पिछले तीन साल से पेट में दर्द और सूजन से पीड़ित थी। पहले से जांच में उसे लिवर हिमेन्जियोमा, लिवर में नॉन कैंसर्स ट्यूमर पाया गया। यह ट्यूमर पिछले तीन साल के दौरान बहुत बढ़ गया था। इस कारण पेट में थोड़ी सी भी चोट लग जाती तो ट्यूमर फट भी सकता था और मरीज की जान भी जा सकती थी। नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पीटल के लैप्रोस्कॉपिक, जीआई और बेरिएट्रिक सर्जन डॉ. कपिलेश्वर विजय ने टीम के साथ यह ट्यूमर निकालने में सफलता प्राप्त की है। इस मौके पर डॉ. कपिलेश्वर ने कहा कि इस तरह के इतने बड़े ट्यूमर निकालने का ऑपरेशन काफी जोखिमभरा होता है। सर्जरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव का खतरा रहता है। ऑपरेशन के बाद भी संक्रमण होने, लिवर फेलियर होने की संभावना रहती है, जो सभी जानलेवा स्थितियां हैं हमें खुशी है कि हम इतने बड़े ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल सके और रोगी को नई खुशहाल जिंदगी दे पाए।

ये रही डॉक्टरों की टीम

दुनिया के सबसे बड़े ट्यूमरों में से एक को निकालने का ऑपरेशन डॉ. कपिलेश्वर विजय ने किया। साथ ही लैप्रोस्कॉपिक, जीआई और बेरिएट्रिक सर्जन डॉ. सौरभ कालिया और सीनियर कंसलटेंट, एनिस्थीसिया डॉ. प्रदीप गोयल ने उन्हें सर्जरी में सहयोग दिया। ऑपरेशन के बाद मरीज की देखभाल कंसलटेंट गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. साकेत अग्रवाल और कंसलटेंट, इंटरनल मेडिसिन, डॉ. अरुण अग्रवाल ने की। विश्व में लिवर हिमेन्जियोमा का सबसे बड़ा केस 1.31 फीट का रिकार्डेड है।

ऐसे निकाला ट्यूमर को

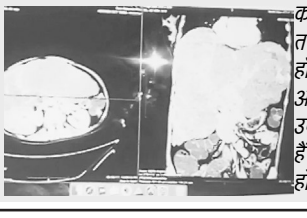

मरीज की तमाम जरूरी और विशेष जांच के बाद नारायणा हॉस्पीटल की टीम ने फैसला किया कि इस तरह के केस में इलाज का सर्वोत्तम तरीका रहेगा, सर्जरी कर ट्यूमर को निकालना। इस प्रक्रिया को एक्सटेंडेड लेफ्ट हिपाटेक्टॉमी के रूप में जाना जाता है। ऑपरेशन करीब ढाई घंटे चला, इसमें खून की क्षति बहुत कम हुई और इतने बड़े ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया गया। रोगी को किसी भी तरह की जटिलता का सामना नहीं करना पड़ा और सर्जरी के 5 दिन बाद उसे छुट्टी दे दी गई। मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और नारायणा हॉस्पीटल में नियमित फॉलोअप के लिए आ रही है। नारायणा मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पीटल की जोनल क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. माला एरून ने इस मौके पर कहा कि, हम लगातार अनुभवी और विशेषज्ञों के जरिए मरीजों को श्रेष्ठ उपचार सुविधा देने और चिकित्सा के बेहतर बुनियादी ढांचे व नई उपचार तकनीकों के लिए प्रयास करते रहे हैं, जो कि जटिल व जोखिमभरी सर्जरी करने में पूरी तरह सक्षम हैं। जटिल और बड़ी सर्जरी के लिए कुशल सर्जन्स के साथ-साथ अनुभवी एनिस्थीसिया सपोर्ट भी जरूरी होता है, खासकर उन सर्जरी में जो लंबे समय की होती हैं।